Bm – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के
रूप में पहचानता है युहोना १:२९-३४ | 1

– Save This Page as a PDF–

युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के रूप में पहचानता है

युहोना १:२९-३४

खोदाई: आखिरकार जॉन बपतिस्मा के बारे में उनके प्रश्न का उत्तर कैसे देता है (युहोना १:३०-३१)? यीशु को परमेश्वर का मेम्ना और परमेश्वर का पुत्र कहने से उसका क्या तात्पर्य है? इन दावों के लिए उसके पास क्या सबूत है? पवित्र आत्मा कबूतर की तरह मसीह पर क्यों उतरा (योचनान १:३२)?

विचार: योचनान प्रभावी थे, लेकिन विनम्र बने रहे। विनम्रता से हीनता या बेकार की भावना नहीं आती। बल्कि, यह प्रभु की योजना में अपना स्थान देखना और स्वयं से अधिक दूसरों के कल्याण को प्राथमिकता देना चाहता है। क्या अभिमान है, या अभिमान आपके जीवन में कभी कोई समस्या रहा है? आप अपने जीवन के किस क्षेत्र में अधिक विनम्रता दिखा सकते हैं? यीशु के लिए अब तक दी गई उपाधियों में से (शब्द, प्रकाश, मसीहा, ईश्वर का मेमना, ईश्वर का पुत्र), जो आपके लिए सबसे अधिक मायने रखती है ? क्यों? वह कौन सा “सबूत” है जिसने आपको येशुआ में विश्वास दिलाया है?

समय के विवरण के बारे में प्रेरित यूहन्ना जितना सावधान कोई नहीं है। इन छंदों से शुरू करके २:११ तक वह हमें कदम दर कदम यीशु के सार्वजनिक जीवन के पहले महत्वपूर्ण सप्ताह की कहानी बताते हैं। पहले दिन की घटनाएँ योचानान १:१९-२८ में हैं; दूसरे दिन की कहानी यहाँ १:२९-३४ में बताई गई है; तीसरा दिन १:३५-३९ में सामने आया है। तीन श्लोक १:४०-४२ चौथे दिन की कहानी बताते हैं; पाँचवें दिन की घटनाएँ १:४३-५१ में बताई गई हैं। छठा दिन किसी कारण से दर्ज नहीं किया गया है। और सप्ताह के सातवें दिन की घटनाएँ २:१-११. में बताई गई हैं

ईसा मसीह के जीवन के इस महत्वपूर्ण सप्ताह के दूसरे दिन, युहोन्ना ने सार्वजनिक रूप से येशुआ को मेशियाच के रूप में इंगित किया, जिसके लिए उसने अपनी गवाही दी थी। बपतिस्मा देने वाले ने यह बताना जारी रखा कि उसे कैसे पता चला कि यीशु अभिषिक्त व्यक्ति था। उनके जीवन का हर विवरण उस भव्य क्षण की ओर इशारा करता था जब वह भीड़ में से एक व्यक्ति को चुनते थे और कहते थे, देखो: यह वही है! अगले दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखा (यूहन्ना १:२९a)। यह महान महासभा के सदस्यों द्वारा पूछताछ के अगले दिन था, जो पूछताछ के दूसरे चरण में शामिल थे (देखें Lg – महान सैनहेड्रिन) यह देखने के लिए कि क्या योचनान, शायद, मसीहा था।

Bm – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के
रूप में पहचानता है युहोना १:२९-३४ | 2



और यूहन्ना ने कहा: देखो, यह परमेश्वर का
मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है (यूहन्ना १:२९b)! यह कोई दुर्घटना नहीं थी. वहाँ बपतिस्मा देने वाले के सामने वह चुना हुआ व्यक्ति खड़ा था जिसकी तानाख की सभी भविष्यवाणियों ने भविष्यवाणी की थी। युहोन्ना ने येशुआ की पहचान मंदिर के अनुष्ठान और विशेष रूप से पाप बलि के संबंध में इस्तेमाल किए जाने वाले प्रमुख बलि पशु से की (निर्गमन में मेरी टिप्पणी देखें Fc – पाप का बलिदान), क्योंकि वह वही है जो दुनिया के पाप को दूर करता है। परमेश्वर द्वारा पापों के लिए मानव बलि की आवश्यकता पर प्रथम कुरिन्थियों १५:३ देखें; इब्रानियों ७:२६-२८), और वास्तव में इब्रानियों की पूरी किताब।

यीशु ने अपने स्वयं के बलिदान की योजना बनाई।

इसका मतलब है कि उसने जानबूझकर वह पेड़ लगाया था जिससे उसका क्रॉस बनाया जाएगा।
इसका मतलब है कि यीशु ने स्वेच्छा से लोहे को पृथ्वी के हृदय में रख दिया, जहाँ से कीलें निकलीं
डाला जाएगा.
इसका मतलब है कि उसने स्वेच्छा से अपने यहूदा को एक महिला के गर्भ में डाल दिया।
इसका मतलब यह है कि मसीहा ही वह था जिसने राजनीतिक तंत्र को गति प्रदान की यरूशलेम को पोंटियस पीलातुस.
और इसका मतलब यह भी है कि उसे ऐसा नहीं करना था – लेकिन उसने किया।

मेमने के संबंध में आत्मा की शिक्षा की प्रगतिशील प्रकृति को देखना उपयोगी है। सबसे पहले, उत्पत्ति ४:४ में हमारे पास हाबिल द्वारा बलिदान में मारे गए झुंड के पहले फलों में मेम्ना का प्रतीक है। दूसरा, हमारे पास उत्पत्ति २२:८ में मेमने की भविष्यवाणी है, जहां इब्राहीम ने इसहाक से कहा: ईश्वर स्वयं एक मेमना प्रदान करेगा। तीसरा, निर्गमन १२:७ में, हमने मेमने को मार डाला है और उसका खून उनके घरों की चौखटों पर लगाया है। चौथा, यशायाह ५३:७ में, हमने मेम्ने को मानव रूप दिया है, पहली बार यह सीखते हुए कि मेम्ना एक मनुष्य होगा। पाँचवाँ, यूहन्ना १:२९ में हमने मेमने की पहचान की है, और सीखा है कि वह वास्तव में कौन है। छठा, प्रकाशितवाक्य

Bm – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के
रूप में पहचानता है युहोना १:२९-३४ | 3

५:६-१४ में, हमारे पास स्वर्ग में और पृथ्वी के नीचे और समुद्र में सभी प्राणियों द्वारा महिमामंडित मेम्ना है। सातवें, बाइबिल के अंतिम अध्याय में, हमने प्रकाशितवाक्य २२:१. में मेम्ने को महिमामंडित किया है, जो परमेश्वर के शाश्वत सिंहासन पर बैठा है।

ब्रिट में हर जगह चादाशाह येशुआ मसीहा की तुलना फसह के मेमने से की गई है (प्रथम कुरिन्थियों ५:७)। मेमने की आकृति यीशु को यशायाह ५३ के पीड़ित सेवक के रूप में मसीह की पहचान करने वाले मार्ग से जोड़ती है (प्रेरितों के काम ८:३२ भी देखें); और काठ पर लटकाकर उसकी बलि की मृत्यु की तुलना बिना किसी दोष या दाग वाले मेमने की बलि से की जाती है (पहला पतरस १:१९), जैसा कि टोरा की आवश्यकता है (निर्गमन १२:५, २९:१; लैव्यव्यवस्था १:३ और १०, ९:३, २३:१२). हस्योद्घाटन की पुस्तक में, जॉन ने येशुआ को लगभग तीस बार मेमने के रूप में संदर्भित किया।

तानाख से परमेश्वर के मेम्ने की दो अवधारणाएँ हैं। पहला है निर्गमन का फसह का मेमना (निर्गमन Bw – मसीह और फसह पर मेरी टिप्पणी देखें), और दूसरा यशायाह का पीड़ित मेमना है (यशायाह Jc पर मेरी टिप्पणी देखें – वह उत्पीड़ित और पीड़ित था, फिर भी उसने मुंह नहीं खोला) उसका मुंह)। जब युहोन्ना ने यीशु को परमेश्वर का मेम्ना कहा, तो उसने इन दोनों के साथ येशुआ की पहचान फसह के मेम्ने के रूप में की। दोनों पीटर (प्रथम पातरस १:१८-१९) और युहोन्ना (प्रकासित्बक्य Cf पर मेरी टिप्पणी देखें – आप स्क्रॉल लेने के योग्य हैं) ने भी ऐसा ही किया।

जाहिर है, यह टकराव दूसरों के सामने भी हुआ, क्योंकि युहोन्ना ने आगे कहा: यह वही है जो मैंने कहा था जब मैंने कहा था: एक आदमी जो मेरे बाद आता है वह मुझसे आगे निकल गया है क्योंकि वह मुझसे पहले था (यूहन्ना १:३०)। यीशु यूहन्ना के बाद आये क्योंकि यूहन्ना अपनी मानवता में यीशु से छह महीने बड़ा था; हालाँकि, यीशु अपने ईश्वरत्व में जॉन से पहले हैं। तीसरी बार (यूहन्ना १:१५, २७) यूहन्ना ने घोषणा की कि मसीह उससे पहले श्रेष्ठ है।

मैं स्वयं उसे नहीं जानता था, परन्तु जल से बपतिस्मा देकर इसलिये आया, कि वह इस्राएल पर प्रगट हो जाए (योकनान १:३१)। युहोन्ना ने कहा कि वह यीशु को नहीं जानता। जो हमें अजीब लगता है क्योंकि हम जानते हैं कि वह और येशुआ रिश्तेदार थे (लूका १:३६)। युहोन्ना कम से कम उससे परिचित तो रहे ही होंगे। निश्चय ही, उनके परिवार आपस में मिल-जुल गये थे। निस्संदेह, एलिजाबेथ ने अपने बेटे को मैरी की यात्रा की कहानी कई बार बताई थी। लेकिन युहोन्ना जो कह रहा था वह यह नहीं था कि वह नहीं जानता था कि यीशु कौन था, बल्कि वह यह नहीं जानता था कि यीशु क्या था। उसे अचानक पता चला कि यीशु, उसका अपना चचेरा भाई, कोई और नहीं बल्कि परमेश्वर का चुना हुआ व्यक्ति था।

फिर युहोन्ना मसीहा के बपतिस्मा के उद्देश्य के बारे में बताता है। यह इस्राएल

Bm – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के
रूप में पहचानता है युहोना १:२९-३४ | 4

को उसकी पहचान कराने के लिये था। यह उसके लिए “लोगों” को तैयार करना था। यह “लोग” परमेश्वर के सामने पापियों के रूप में खड़े होकर तैयार किए गए थे (मरकुस १:५), और यही कारण है कि युहोन्ना ने यार्दन में बपतिस्मा दिया, जो उनके लिए मृत्यु की नदी थी; क्योंकि, जॉर्डन में बपतिस्मा लेने के बाद, उन्होंने स्वीकार किया कि पाप की मज़दूरी मृत्यु है (रोमियों ६:२३)। हालाँकि, आज, विश्वासियों का बपतिस्मा दर्शाता है कि बपतिस्मा लेने वाला पहले ही मर चुका है – पाप के लिए मर गया, मसीह के साथ मर गया। या क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जिन्होंने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया, उनकी मृत्यु में बपतिस्मा लिया? इसलिए हम उसी क्रम में मृत्यु का बपतिस्मा लेकर उसके साथ गाड़े गए, जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मृतकों में से जी उठा, हम भी एक नया जीवन जी सकते हैं (रोमियों ६:३-४)।

तब युहोन्ना ने यह गवाही दी, कि मैं ने आत्मा को कबूतर के समान स्वर्ग से उतरते और उस पर ठहरते देखा (यूहन्ना १:३२)। यीशु के बपतिस्मा से पहले, बपतिस्मा देने वाले को स्पष्ट रूप से ईश्वर से एक रहस्योद्घाटन प्राप्त हुआ था कि जब पवित्र आत्मा चुने हुए व्यक्ति पर गिरेगा, और रहेगा, तो वह मसीहा की पहचान करेगा। जब पबित्र आत्मा सप्ताहों के पर्व पर शिष्यों के पास आया, तो हमने पढ़ा कि उन्होंने आग की जीभें देखीं जो अलग हो गईं और उनमें से प्रत्येक पर रुक गईं (प्रेरितों २:३)। अग्नि परमेश्वर की न्याय की ओर इशारा करती है और उनके पापी स्वभाव के कारण, उन्हें न्याय की शुद्धिकरण अग्नि की आवश्यकता थी। उन्हें उनके पापों का दोषी ठहराया गया। हालाँकि, येशुआ को वह भयानक कीमत चुकानी पड़ी। इसलिए क्योंकि वे विश्वास करेंगे कि यीशु परमेश्वर का पुत्र था, वे बचाये जायेंगे। परन्तु परमेश्वर के चुने हुए में ऐसा कुछ भी नहीं था जिसे न्याय करने की आवश्यकता हो, इसलिए पवित्र आत्मा कबूतर की तरह उस पर उतरा।

और मैं आप ही उसे न जानता था, परन्तु जिस ने मुझे जल से बपतिस्मा देने को भेजा, उसी ने मुझ से कहा, जिस मनुष्य पर तू आत्मा को उतरते और ठहरते देखता है, वही पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा” (यूहन्ना १:३३) | पबित्र आत्मा उस पर नहीं आया और फिर चला गया, जिसे हम आम तौर पर तनाख में देखते हैं। उदाहरण के लिए, डेविड कहेगा: मुझे अस्वीकार मत करो! अपना पवित्र आत्मा मुझ से मत छीनो (भजन ५१:११)। आत्मा बना रहा, या उसमें निवास करने लगा। यह शब्द चीज़ों के दैवीय पक्ष से संबंधित है और संगति की बात करता है। हम यूहन्ना १४:१० में वही शब्द देखते हैं, जहां प्रेरित प्रेरित ने येशुआ के संदेश को दर्ज किया: जो शब्द मैं तुमसे कहता हूं, मैं अपने अधिकार से नहीं कहता। बल्कि पिता ही मुझमें रहकर अपना कार्य कर रहा है। इसलिए यूहन्ना १५ में, जहाँ प्रभु यीशु आध्यात्मिक फल उत्पन्न करने के लिए मूलभूत आवश्यकता की बात करते हैं – उसके साथ संगति – वे कहते हैं: वे मुझ में बने रहते हैं, और मैं उनमें, वही बहुत फल लाता है (योचनान १५:५a)।

पवित्र आत्मा वाला वाक्यांश ग्रीक में एन न्यूमेटी है। कुछ लोग विशेषणों में परिवर्तन को बड़ा मुद्दा बनाते हैं। वे कहते हैं, “अच्छा, तुम्हें पवित्र आत्मा

Bm – युहोना बप्तिस्मा देनेबाला यीशु को ईश्वर के मेम्ने के
रूप में पहचानता है युहोना १:२९-३४ | 5

से बपतिस्मा दिया गया, परन्तु क्या तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिया गया है?” या, “आपने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया था, लेकिन क्या आपने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया है।” यह सब एक धुआँ पर्दा है क्योंकि ग्रीक विशेषण एन का अनुवाद या तो अंदर, या उसके द्वारा, या उसके साथ किया जा सकता है (मार्क १:८; मैथ्यू ३:११; ल्यूक ३:१६; अधिनियम 1:५, ११:१६; १ कुरिन्थियों १२) :१३). पवित्र आत्मा के साथ-साथ बपतिस्मा लेना मोक्ष की एक पहचान है (Bw देखें – विश्वास के क्षण में परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है)।

जब पबित्र आत्मा कबूतर के रूप में यीशु पर उतरा, जिसने जॉन को दिए गए पिछले रहस्योद्घाटन को प्रमाणित किया। तो युहोन्ना जानता था, और यीशु की ओर इशारा करके कह सकता था: देखो, इश्वर का मेम्ना, जो दुनिया के पाप को दूर ले जाता है। उत्पत्ति ४ में व्यक्ति के लिए बलिदान दिया गया था; निर्गमन १२ में घराने के लिए बलिदान दिया गया था; लेबी १६ में प्रायश्चित के वार्षिक दिन पर राष्ट्र के लिए बलिदान चढ़ाया गया था; लेकिन यहां युहोन्ना १:३४ में, अन्यजातियों को यहूदियों के साथ-साथ गले लगाया जाता है क्योंकि परमेश्वर का मेम्ना उन्हें छीन लेता है संसार का पाप।

मैं ने देखा है, और गवाही देता हूं, कि यह परमेश्वर का चुना हुआ है (यूहन्ना १:३४)। एक बार फिर युहोन्ना ने यह स्पष्ट कर दिया कि उनका केवल एक ही उद्देश्य था। यह पापियों को मसीहा की ओर इंगित करने के लिए था। वह कुछ भी नहीं था और मसीह ही सब कुछ था। उन्होंने अपने लिए किसी महानता या स्थान का दावा नहीं किया; वह केवल एक आदमी था, जिसने पर्दा हटा दिया और येशुआ को केंद्र मंच पर सुर्खियों में खड़ा एकमात्र व्यक्ति के रूप में छोड़ दिया। इसे आप जो चाहें कहें: अनुग्रह का कार्य। मुक्ति की एक योजना. एक शहीद का बलिदान. लेकिन आप इसे जो भी कहें. इसे दुर्घटना मत कहो. यह उसके अलावा कुछ भी था।